Drishti IAS

करेंट अफेयर्स मध्य प्रदेश

अक्तूबर (संग्रह)

2024

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

मध्य प्रदेश **3**

- मध्य प्रदेश के नए मुख्य सचिव 3
- मध्य प्रदेश ने हीटवेव को आपदा की श्रेणी में रखा 3
- मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल ने ट्राइबल क्वीन को सम्मानित किया 4
- किशोर कुमार सम्मान 6
- पन्ना के खनन समुदाय में सिलिकोसिस त्रासदी 6
- सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गाँव पुरस्कार 7
- संपदा 2.0: एक पूर्णतया डिजिटल और सुरक्षित ई-रजिस्ट्री प्रणाली 8
- रातापानी वन्यजीव अभयारण्य को टाइगर रिज़र्व घोषित किया जाएगा 9
- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण पर बल दिया 11
- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री हैदराबाद में निवेश आकर्षित करेंगे 11
- मध्य प्रदेश: DRI ने 112 किलोग्राम मेफेड्रोन ज़ब्त किया 12
- मध्य प्रदेश: भारत की खनन राजधानी के रूप में उभर रहा है 13
- केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश की उत्कृष्टता 14
- मध्य प्रदेश खनन सम्मेलन, 2024 15
- मध्य प्रदेश को 14,000 करोड़ रुपये का कर हस्तांतरण प्राप्त हुआ 16
- सिंहस्थ 2028 17
- रीवा उद्योग सम्मेलन में निवेश प्रस्ताव 17
- मध्य प्रदेश में पराली दहन की बढ़ती घटनाएँ 18

नोट :

मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश के नए मुख्य सचिव

चर्चा में क्यों ?

वरिष्ठ IAS अधिकारी **अनुराग जैन** को मध्य प्रदेश का नया **मुख्य सचिव** नियुक्त किया गया है ।

प्रमुख बिंदु

- **नियुक्ति:**
  - अनुराग जैन को मध्य प्रदेश का **35वाँ मुख्य सचिव** नियुक्त किया गया है।
  - **वह 1989 बैच** के वरिष्ठ IAS अधिकारी हैं ।
  - वह **प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO)** में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत थे।
  - इस नियुक्ति से पहले जैन केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर **सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में सचिव** के पद पर कार्यरत थे ।
  - उनके उत्कृष्ट कार्य के लिये उन्हें **वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित** किया गया।

मुख्य सचिव

- मुख्य सचिव राज्य सरकार में सर्वोच्च पद का सिविल सेवक होता है, जो समग्र प्रशासन और सरकारी कार्यों के समन्वय के लिये ज़िम्मेदार होता है।
- **नियुक्ति:** मुख्य सचिव का चयन मुख्यमंत्री करते हैं, जो आमतौर पर एक IAS अधिकारी होता है। मुख्यमंत्री केंद्र सरकार, मंत्रिमंडलीय सहयोगियों या कैबिनेट से परामर्श कर सकते हैं, लेकिन यह अनिवार्य नहीं है।
- **भूमिका और ज़िम्मेदारियाँ:**
  - **प्रशासनिक प्रमुख:** मुख्यमंत्री के प्रमुख सलाहकार के रूप में कार्य करता है और राज्य सरकार के प्रशासन की देखरेख करता है।
  - **समन्वय:** राज्य सरकार के भीतर विभिन्न विभागों और एजेंसियों के बीच समन्वय सुनिश्चित करता है।
  - **नीति कार्यान्वयन:** राज्य स्तर पर सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिये ज़िम्मेदार।
  - **संपर्क:** राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच संपर्क का कार्य करता है।

मध्य प्रदेश ने हीटवेव को आपदा की श्रेणी में रखा

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश सरकार ने **हीटवेव** को **प्राकृतिक आपदाओं** के रूप में वर्गीकृत किया है, जिससे पीड़ितों को मुआवज़ा दिया जा सके

प्रमुख बिंदु

- **वित्तीय सहायता:**
  - **हीटवेव** के कारण मृत्यु का शिकार होने वाले व्यक्तियों को बाढ़ और भूकंप जैसी अन्य प्राकृतिक आपदाओं के लिये दिये जाने वाले मुआवज़े के समान **मुआवजा** मिलेगा।
- **विधिक ढाँचा:**
  - **केंद्रीय गृह मंत्रालय** के निर्देशों के बाद, **मध्य प्रदेश आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005** के तहत हीटवेव को आधिकारिक तौर पर स्थानीय आपदा के रूप में अधिसूचित किया गया है।
  - यह विनियमन **वर्ष 2025 की गर्मियों** में प्रभावी होगा।

नोट :

- **प्रभावितों की संख्या और स्वास्थ्य पर प्रभाव:**
  - उत्तर भारत में हाल ही में हीटवेव के कारण **114 लोगों की मृत्यु** हो गई तथा 1 मार्च से 19 जून, 2024 तक **40,000 से अधिक संदिग्ध हीटस्ट्रोक के मामले** सामने आए।
  - हीटस्ट्रोक से सबसे अधिक मौतें **उत्तर प्रदेश (37), बिहार (17), राजस्थान (16)** और **ओडिशा (13)** में दर्ज की गईं।
- **हीटवेव की प्रकृति:**
  - हीटवेव की विशेषता अत्यधिक उच्च तापमान और उच्च आर्द्रता है, जो आमतौर पर **अप्रैल से जून** तक होती है।
  - इनसे गंभीर स्वास्थ्य ज़ोखिम उत्पन्न होते हैं, जिनमें **हीटस्ट्रोक** और **निर्जलीकरण** शामिल हैं, तथा कृषि, जलापूर्ति और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

हीटवेव

- **परिचय:**
- हीटवेव अत्यधिक गर्म मौसम की दीर्घावधि है जो मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।
  - भारत एक उष्णकटिबंधीय देश है, इसलिये यहाँ हीटवेव का विशेष रूप से खतरा रहता है, जो हाल के वर्षों में अधिक तीव्र हो गई हैं।
- **भारत में हीट वेव घोषित करने के मानदंड:**
  - **मैदानी और पहाड़ी क्षेत्र:**
    - यदि किसी स्थान का अधिकतम तापमान **मैदानी क्षेत्रों के लिये कम से कम 40°C या उससे अधिक तथा पहाड़ी क्षेत्रों के लिये कम से कम 30°C या उससे अधिक** हो जाए तो उसे हीटवेव माना जाता है।
    - **सामान्य हीटवेव से विचलन के आधार पर:** सामान्य से विचलन 4.50°C से 6.40°C है।
  - **गंभीर हीटवेव:** सामान्य से विचलन **> 6.40°C है।**
    - **वास्तविक अधिकतम तापमान के आधार पर हीटवेव:** जब वास्तविक अधिकतम तापमान ≥45°C हो।
  - **गंभीर हीटवेव:** जब वास्तविक अधिकतम तापमान ≥47°C हो।
    - यदि किसी मौसम विज्ञान उपविभाग में कम से कम 2 स्टेशनों में उपर्युक्त मानदंड कम से कम दो लगातार दिनों तक पूरे होते हैं, तो दूसरे दिन इसकी घोषणा कर दी जाती है।
- **तटीय क्षेत्र:**
  - जब अधिकतम तापमान **सामान्य से 4.50°C** या अधिक हो, तो उसे हीटवेव कहा जा सकता है, बशर्ते वास्तविक अधिकतम तापमान **37°C** या अधिक हो।

मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल ने ट्राइबल क्वीन को सम्मानित किया

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल ने 16वीं शताब्दी की आदिवासी **रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती के** उपलक्ष्य में **5 अक्तूबर, 2024 को दमोह** ज़िले के सिंगरामपुर में एक बैठक आयोजित की।

मुख्य बिंदु

- **रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना:**
  - **मंत्रिमंडल ने रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना** के तहत बाजरा किसानों के लिये 3,900 रुपए प्रति हेक्टेयर तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता को मंज़ूरी दी।
  - यह न्यूनतम खरीद मूल्य के अतिरिक्त है, राज्य पहले से ही **प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT)** के माध्यम से 1,000 रुपए प्रति क्विंटल प्रदान कर रहा है।

नोट :

- **रानी दुर्गावती स्मारक एवं उद्यान:**
  - जबलपुर में 100 करोड़ रुपए की लागत से **रानी दुर्गावती स्मारक एवं उद्यान** विकसित करने के लिये एक समिति का गठन करने को मंज़ूरी दी गई।
  - इस परियोजना के तहत **मदन महल पहाड़ी पर 24 एकड़ क्षेत्र का विकास किया जाएगा और** इसमें **पंचायत, लोक निर्माण, जनजातीय मामले, संस्कृति और पर्यटन** से जुड़े कई राज्य मंत्री शामिल होंगे।
- **मध्य प्रदेश जैन कल्याण बोर्ड:**
  - मंत्रि-परिषद ने जैन समुदाय के **सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक सशक्तीकरण** के लिये **मध्य प्रदेश जैन कल्याण बोर्ड** के गठन को मंजूरी दी।
  - बोर्ड का नेतृत्व प्रत्येक दो वर्ष में **श्वेतांबर और दिगंबर संप्रदायों** के सदस्यों के बीच बदलेगा।
- **किसानों के लिये अल्पकालिक फसल ऋण:**
  - सरकार ने **वर्ष 2024-25** के लिये सहकारी बैंकों के माध्यम से **शून्य प्रतिशत ब्याज पर अल्पकालिक फसल ऋण** प्रदान करने का निर्णय लिया है।

रानी दुर्गावती

- **महोबा के चंदेला राजवंश** (वर्तमान उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश की सीमा के पास) में **सन् 1524 में जन्मी रानी दुर्गावती** भारत की आत्मनिर्णय की प्रतीक थीं।
  - **चंदेलों को 11वीं शताब्दी में प्रसिद्ध खजुराहो मंदिरों के निर्माण के लिये जाना जाता है।**
- उन्होंने **गोंड राजा संग्राम शाह के पुत्र दलपत शाह से विवाह किया और 1550 में अपने पति की मृत्यु के बाद गढ़ा-कटंगा राज्य पर** बहुत जोश और साहस के साथ शासन किया।
  - **गढ़-कटंगा साम्राज्य में नर्मदा घाटी** और उत्तरी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्से शामिल थे।
  - गोंड जनजाति मध्य भारत की एक प्रमुख जनजाति है जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लचीलेपन के लिये जानी जाती है।
- सरकारी दस्तावेज़ों के अनुसार, रानी और उनके जनरलों ने 16 वर्षों तक राज्य के मामलों का प्रबंधन किया।

नोट :

किशोर कुमार सम्मान

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश सरकार ने घोषणा की कि फिल्म निर्माता **राजकुमार हिरानी** को प्रतिष्ठित **किशोर कुमार सम्मान वर्ष 2023** से सम्मानित किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **उल्लेखनीय फिल्में:**
- हिरानी को **3 इडियट्स, पीके, संजू, मुन्ना भाई एमबीबीएस, डंकी आदि** जैसी प्रतिष्ठित फिल्मों के निर्देशन के लिये जाना जाता है।
- पुरस्कार समारोह **13 अक्तूबर, 2023** को किशोर कुमार के गृहनगर **खंडवा** में होगा।
- यह दिवस प्रसिद्ध गायक की **पुण्यतिथि** पर मनाया जाता है।
- **पुरस्कार का महत्त्व:**
- इस वर्ष हिरानी की **मुन्ना भाई एमबीबीएस** के साथ निर्देशन की शुरुआत की **20वीं वर्षगाँठ** है, यह एक ऐसी फिल्म थी जिसने बॉलीवुड की कहानी कहने की शैली को बदल दिया।
- भारतीय फिल्म जगत की प्रसिद्ध हस्तियों जैसे **अमिताभ बच्चन, दिलीप कुमार, मनोज कुमार, धर्मेन्द्र और शत्रुघ्न सिन्हा** को पहले भी **किशोर कुमार सम्मान** से सम्मानित किया जा चुका है।

किशोर कुमार सम्मान

- किशोर कुमार सम्मान **मध्य प्रदेश सरकार द्वारा हिंदी सिनेमा में योगदान** के लिये दिया जाने वाला **एक पुरस्कार** है।
  - **यह पुरस्कार निम्नलिखित क्षेत्रों में दिया जाता है:** अभिनय, पटकथा, गीत लेखन और निर्देशन।
- इस पुरस्कार में **5 लाख रुपए की राशि, एक पट्टिका और एक शॉल-श्रीफल शामिल** है। यह पुरस्कार प्रसिद्ध पार्श्व गायक और बहुमुखी कलाकार किशोर कुमार की स्मृति में दिया जाता है।
- **किशोर कुमार** एक **पार्श्व गायक, अभिनेता, संगीत निर्देशक, गीतकार, फिल्म निर्माता, फिल्म निर्देशक, पटकथा लेखक और संगीतकार** थे। वह एक कुशल अनुकरणकर्त्ता, दुभाषिया और नवप्रवर्तक थे। उन्होंने अपनी संगत में रंगीन टिम्ब्रल प्रभाव, इलेक्ट्रिक ऑर्गन और अन्य अपारंपरिक वाद्ययंत्रों का इस्तेमाल किया।

पन्ना के खनन समुदाय में सिलिकोसिस त्रासदी

चर्चा में क्यों ?

खनन के विनाशकारी प्रभाव से पन्ना में लोगों की जान जा रही है, यहाँ के परिवार सिलिकोसिस बीमारी से पीड़ित हैं, जिसे गलत तरीके से **क्षय रोग** के रूप में पहचाना जाता है।

प्रमुख बिंदु

- **सिलिकोसिस:**
  - यह एक घातक फेफड़ों की बीमारी है जो महीन सिलिका धूल को साँस के माध्यम से अंदर लेने से होती है, जो कि खनन उद्योगों में आम है।
  - इसके लक्षणों में पुरानी खाँसी, साँस लेने में तकलीफ और थकान शामिल है, जिसे प्राय: क्षय रोग समझ लिया जाता है।
  - 2014 से, सिलिकोसिस से संदिग्ध रूप से परिवार के पाँच सदस्यों की मृत्यु हो चुकी है।
- **क्षय रोग (Tuberculosis- TB):**
  - TB रोग **माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस** नामक जीवाणु के कारण होता है, जो माइकोबैक्टीरियासी परिवार से संबंधित है, जिसमें लगभग 200 सदस्य हैं।

नोट :

- कुछ सूक्ष्म जीवाणु मनुष्यों में TB और **कुष्ठ रोग** जैसी बीमारियाँ उत्पन्न करते हैं, तथा अन्य कई प्रकार के पशुओं को संक्रमित करते हैं।
- मनुष्यों में, TB सबसे अधिक फेफड़ों (फुफ्फुसीय TB) को प्रभावित करता है, लेकिन यह अन्य **अंगों (इतर-फुफ्फुसीय TB)** को भी प्रभावित कर सकता है।
- क्षय रोग (TB) एक बहुत ही प्राचीन बीमारी है और **मिस्र में 3000 ईसा पूर्व** से ही इसका अस्तित्व होने के प्रमाण मौजूद हैं। यह एक उपचार योग्य और इलाज योग्य बीमारी है।

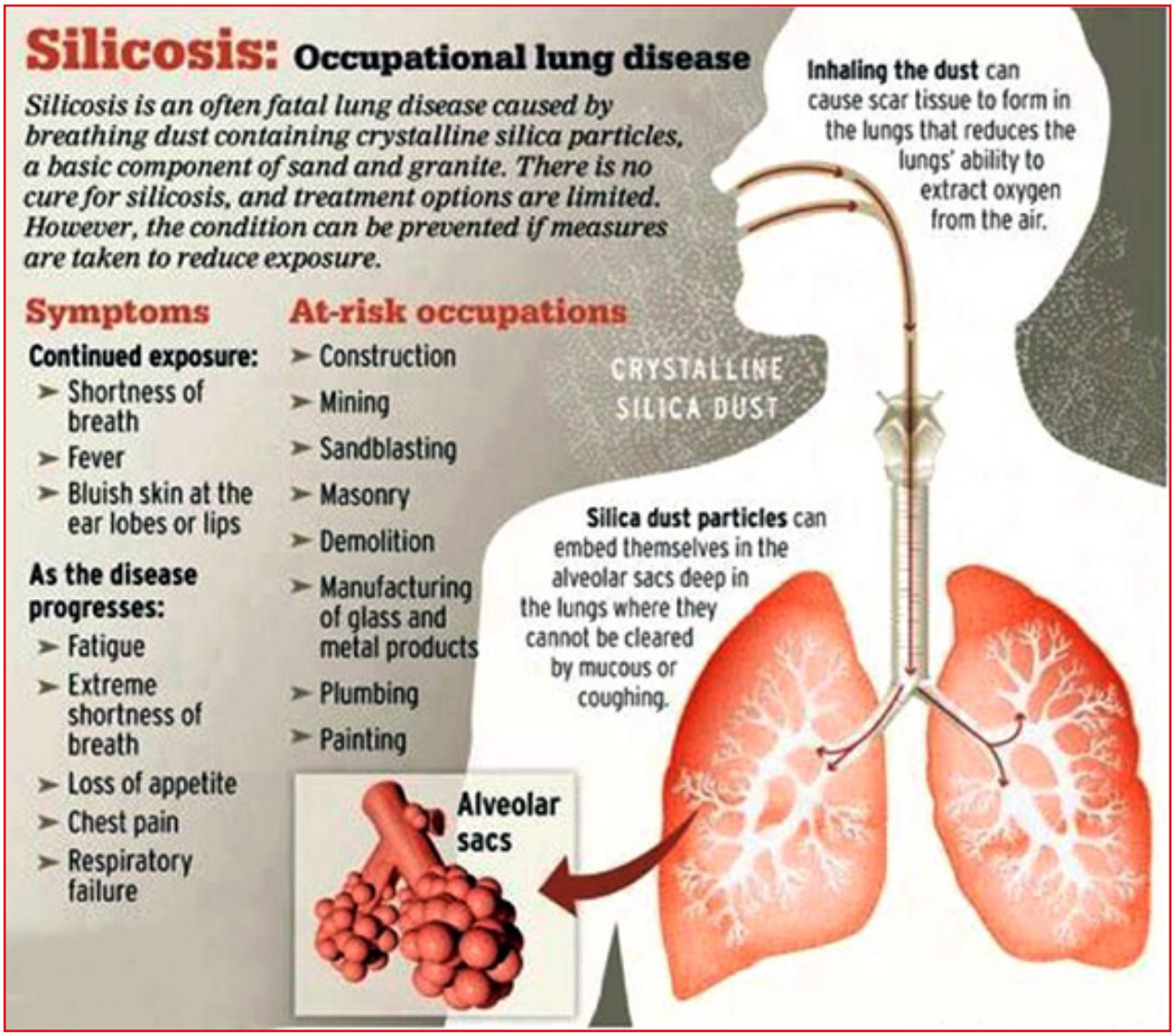

सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गाँव पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन दिवस (27 सितंबर)** पर मध्य प्रदेश के तीन गाँवों को उनके सतत् पर्यटन प्रयासों के लिये मान्यता दी गई।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- **पुरस्कृत गाँव:**
  - **प्राणपुर:**
    - **श्रेणी:** शिल्प
    - यह अपनी बुनाई परंपरा के लिये उल्लेखनीय है, जहाँ 243 परिवार हथकरघा उत्पादन में लगे हुए हैं।
    - कारीगर बाँस, लकड़ी, पत्थर, आभूषण और मिट्टी से वस्तुएँ बनाते हैं।
    - बुनियादी ढाँचे में सुधार के लिये आगंतुकों के उपयोग हेतु स्थानीय स्तर पर पत्थर शामिल किये गए हैं।
    - इसमें एक **"हैंडलूम कैफे"** और सांस्कृतिक प्रदर्शन के लिये एक रंगभूमि (Amphitheatre) भी है।
  - **साबरवानी:**
    - **श्रेणी:** रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म
    - 2019 से यह एक पर्यटन केंद्र में तब्दील हो चुका है, जहाँ 300 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आते हैं।
    - पारंपरिक व्यंजन और स्थानीय कृषि पद्धतियों में भागीदारी जैसे सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करता है।
    - आकर्षणों में अनहोनी गर्म पानी का झरना, घोघरा झरना और **सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान** की निकटता शामिल हैं।
    - पर्यटकों के लिये गतिविधियों में बैलगाड़ी की सवारी, गाय का दूध निकालना और मोनाखेड़ी पहाड़ी पर ट्रैकिंग शामिल हैं।
  - **लाडपुरा खास:**
    - **श्रेणी:** रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म
    - यह समुदाय के साथ जुड़ाव और स्थानीय परंपराओं को बढ़ावा देने के लिये जाना जाता है।
- **सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गाँव प्रतियोगिता 2024:**
  - इसे सतत् प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिये **पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार** द्वारा लॉन्च किया गया था।
  - इसका उद्देश्य सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को संरक्षित रखने वाले गाँवों की पहचान करना था।
  - आठ श्रेणियों में कुल 36 गाँवों को मान्यता दी गई।

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन दिवस

- **इतिहास:** अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन दिवस पहली बार वर्ष 1980 में **संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (United Nations World Tourism Organization- UNWTO)** द्वारा मनाया गया था, और इसका उद्देश्य पर्यटन के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था।
  - यह दिन वर्ष 1975 में UNWTO की विधियों को अपनाने का प्रतीक है, जो पाँच वर्ष बाद इसकी आधिकारिक स्थापना का प्रतीक है।
  - UNWTO आर्थिक वृद्धि, समावेशी विकास और पर्यावरणीय स्थिरता के चालक के रूप में पर्यटन की वकालत करता है, साथ ही विश्व भर में ज्ञान एवं नीतियों को आगे बढ़ाने में इस क्षेत्र का समर्थन करता है।
    - UNWTO में **160 सदस्य देश (भारत सहित)**, 6 सहयोगी सदस्य, 2 पर्यवेक्षक और 500 से अधिक संबद्ध सदस्य शामिल हैं।
    - इसका मुख्यालय मैड्रिड, स्पेन में है।

संपदा 2.0: एक पूर्णतया डिजिटल और सुरक्षित ई-रजिस्ट्री प्रणाली

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में, मध्य प्रदेश भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने सम्पदा 2.0 नामक अत्याधुनिक **ई-रजिस्ट्री प्रणाली शुरू की है**, जिससे दस्तावेज़ पंजीकरण पूरी तरह से डिजिटल और सुरक्षित हो गया है।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- **संपदा 2.0:**
  - संपदा 2.0 दस्तावेज़ पंजीकरण सॉफ्टवेयर और मोबाइल ऐप का नया संस्करण है।
  - मध्य प्रदेश दस्तावेज़ पंजीकरण प्रक्रिया को पूरी तरह से डिजिटल बनाने वाला पहला राज्य है।
  - यह प्रणाली पंजीकरण के लिये उप-पंजीयक कार्यालय जाने की आवश्यकता को समाप्त कर देती है, जिससे प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक और कागज़रहित हो जाती है।
- **आधार से जुड़ी सुरक्षा:**
  - दस्तावेज़ों और व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये पूरी प्रणाली को **आधार** से जोड़ा गया है।
  - हस्ताक्षर के स्थान पर आधार से जुड़े मोबाइल नंबरों के माध्यम से OTP सत्यापन किया जाता है।
  - रजिस्ट्री लिंक सहित सभी सूचनाएँ उपयोगकर्त्ताओं को व्हाट्सएप, ईमेल और आधार से जुड़े मोबाइल नंबरों के माध्यम से भेजी जाएंगी।
- **पंजीकरण के लिये तीन विकल्प:**
  - **वीडियो KYC**: पक्षकार वीडियो लिंक का उपयोग करके घर से ही दस्तावेज़ों का पंजीकरण कर सकते हैं।
  - **सेवा प्रदाता के माध्यम से:** दस्तावेज़ों को पंजीकृत सेवा प्रदाता के माध्यम से पंजीकृत किया जा सकता है।
  - **उप-पंजीयक कार्यालय में:** पक्षकार पंजीकरण के लिये उप-पंजीयक कार्यालय में जाना चुन सकते हैं।
- **संपदा 2.0 की अनूठी विशेषताएँ:**
  - **जियो-टैगिंग: जियो-टैगिंग** का उपयोग करके संपत्तियों की पहचान की जाएगी और मूल्यांकन एवं स्टांप ड्यूटी विवरण स्वचालित रूप से प्राप्त किये जाएंगे।
  - **कागज़ रहित प्रक्रिया:** कोई भौतिक प्रिंट प्रदान नहीं किया जाएगा। इसके बजाय, रजिस्ट्री को ईमेल और व्हाट्सएप के माध्यम से PDF फाइलों के रूप में भेजा जाएगा।
  - **गवाहों की आवश्यकता नहीं:** नई प्रणाली पंजीकरण के दौरान गवाहों की आवश्यकता को समाप्त कर देती है।
  - **वास्तविक समय डेटा एकीकरण: संपत्ति विवरण के लिये** विभिन्न विभागों **(राजस्व, नगर नियोजन, नगर निगम) से जानकारी** स्वचालित रूप से प्राप्त की जाएगी।
  - **स्वचालित नामांतरण:** स्वचालित नाम परिवर्तन के लिये रजिस्ट्री डिजिटल रूप से भेजी जाएगी, जिससे परिवर्तन प्रक्रिया सरल हो जाएगी।

रातापानी वन्यजीव अभयारण्य को टाइगर रिज़र्व घोषित किया जाएगा

चर्चा में क्यों ?

भोपाल के निकट स्थित मध्य प्रदेश का **रातापानी वन्यजीव अभयारण्य** राज्य का 8वाँ **टाइगर रिज़र्व** बनने के लिये तैयार है।

प्रमुख बिंदु

- **रातापानी वन्यजीव अभयारण्य:** अपनी समृद्ध जैवविविधता और सांस्कृतिक महत्त्व के लिये जाना जाने वाला यह अभयारण्य **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA)** की सभी आवश्यकताओं को पूरा कर चुका है और राज्य वन्यजीव बोर्ड की बैठक में अंतिम मंजूरी का इंतजार कर रहा है।
- **स्थान और क्षेत्र:** रातापानी वन्यजीव अभयारण्य **रायसेन, सीहोर और भोपाल ज़िलों में लगभग 3,500 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है।** इसमें से 1,500 वर्ग किलोमीटर को कोर टाइगर क्षेत्र के रूप में नामित किया जाएगा, जबकि 2,000 वर्ग किलोमीटर बफर जोन के रूप में काम करेगा।
- **बाघों की जनसंख्या:** अभयारण्य में लगभग **40 बाघ हैं, इसके अतिरिक्त 12 बाघ** नियमित रूप से भोपाल के निकट वन क्षेत्रों में विचरण करते हैं।

नोट :

- **पर्यटन और अर्थव्यवस्था:** टाइगर रिज़र्व का दर्जा मिलने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और सरकारी वित्त पोषण में वृद्धि के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था में सुधार होगा।
- **सुरक्षा उपाय:** दुर्घटनाओं और अवैध शिकार के कारण बाघों की मृत्यु को रोकने के लिये 25 ओवरपास और अंडरपास का निर्माण किया जाएगा तथा कोर क्षेत्र के गाँवों को स्थानांतरित किया जाएगा।
- **जैवविविधता:** बाघों के अलावा, अभयारण्य में **विभिन्न प्रकार के वन्यजीव** पाए जाते हैं, जिनमें **तेंदुए, लकड़बग्घे, सियार** और **चीतल, साँभर और नीलगाय जैसे कई शाकाहारी जानवर** शामिल हैं। यहाँ 150 से ज़्यादा पक्षी प्रजातियाँ भी पाई जाती हैं, जो इसे पक्षी प्रेमियों के लिये एक स्वर्ग बनाती हैं।
- **ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्त्व :** अभयारण्य में **भीमबेटका शैलाश्रय**, एक **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल**, एवं अनेक ऐतिहासिक स्थल हैं, जो इस क्षेत्र में सांस्कृतिक मूल्य जोड़ते हैं।

नोट :

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण पर बल दिया

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने **उज्जैन ज़िले** में एक कपड़ा इकाई के उद्घाटन के दौरान **महिला सशक्तिकरण** पर बल दिया।

मुख्य बिंदु

- **कपड़ा इकाई का उद्घाटन :** मुख्यमंत्री ने **उज्जैन ज़िले** में एक नई कपड़ा इकाई का उद्घाटन किया और **रोज़गार** के लिये औद्योगिक विकास के महत्त्व पर प्रकाश डाला।
- **महिला सशक्तिकरण पर फोकस:** कार्यक्रम के दौरान उन्होंने महिला सशक्तिकरण की पुरज़ोर वकालत की तथा मध्य प्रदेश के सामाजिक और आर्थिक विकास में महिलाओं की भूमिका पर बल दिया।
- **महिलाओं के लिये रोज़गार के अवसर :** नई कपड़ा इकाई से रोज़गार सृजन होने की उम्मीद है, विशेष रूप से **महिलाओं के लिये, जिससे वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा मिलेगा।**
- **सरकारी सहायता:** मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के लिये रोज़गार के अवसर सृजित करने के लिये राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।
- **स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा:** कपड़ा इकाई की स्थापना को स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और आजीविका में वृद्धि करने की एक प्रमुख पहल के रूप में देखा जा रहा है।
- **महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना:** मुख्यमंत्री ने अधिकाधिक महिलाओं को इन अवसरों का लाभ उठाने के लिये प्रोत्साहित किया तथा औद्योगिक और सामाजिक प्रगति में उनके योगदान पर बल दिया।

महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिये संवैधानिक उपाय

- **अनुच्छेद 14:** कानून के समक्ष समानता और कानूनों के समान संरक्षण की गारंटी देता है, जाति, धर्म, लिंग और जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव पर रोक लगाता है।
- **अनुच्छेद 15(3):** राज्य को महिलाओं और बच्चों के लिये विशेष प्रावधान बनाने की अनुमति देता है।
- **अनुच्छेद 16:** सार्वजनिक रोज़गार के मामलों में समान अवसर प्रदान करता है।
- **अनुच्छेद 39(d):** पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिये समान काम के लिये समान वेतन की बात करता है।
- **अनुच्छेद 42:** राज्य को काम की न्यायसंगत और मानवीय स्थिति तथा मातृत्व राहत सुनिश्चित करने के लिये प्रावधान करने का निर्देश देता है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री हैदराबाद में निवेश आकर्षित करेंगे

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने निवेश आकर्षित करने और **राज्य की औद्योगिक क्षमता** को बढ़ावा देने के लिये **हैदराबाद** का दौरा किया।

मुख्य बिंदु

- **हैदराबाद में निवेश प्रोत्साहन:** मुख्यमंत्री ने मध्य प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिये हैदराबाद का दौरा किया, जिसमें राज्य के औद्योगिक परिदृश्य को मज़बूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- **उद्योग जगत के नेताओं के साथ बैठक:** उन्होंने प्रमुख व्यापारिक नेताओं और उद्योगपतियों के साथ विचार-विमर्श किया तथा कपड़ा, फार्मास्यूटिकल्स और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में निवेश के अवसरों पर प्रकाश डाला।
- **मध्य प्रदेश की क्षमता पर प्रकाश डालना:** मुख्यमंत्री ने मध्य प्रदेश की **रणनीतिक स्थिति, मज़बूत बुनियादी ढाँचे और व्यापार के अनुकूल नीतियों का हवाला देते हुए इसके अनुकूल व्यावसायिक वातावरण** पर ज़ोर दिया।

नोट :

- **सरकार का सक्रिय दृष्टिकोण:** मुख्यमंत्री ने निवेशकों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार प्रोत्साहन, व्यापार में आसानी और नीतिगत सहायता सहित आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिये प्रतिबद्ध है।
- **स्थानीय रोज़गार को बढ़ावा:** निवेश से विशेष रूप से विनिर्माण और प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में रोज़गार के अवसरों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।
- **सतत् विकास पर ध्यान: मुख्यमंत्री ने** राज्य की विकास रणनीति में **सतत् विकास** के महत्त्व पर बल दिया तथा **पर्यावरण अनुकूल** और नवीन उद्योगों में निवेश को प्रोत्साहित किया।
- **भावी सहयोग:** इस यात्रा से मध्य प्रदेश और हैदराबाद स्थित कंपनियों के बीच भविष्य में सहयोग का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है, जिससे राज्य की औद्योगिक संभावनाएँ बढ़ेंगी।

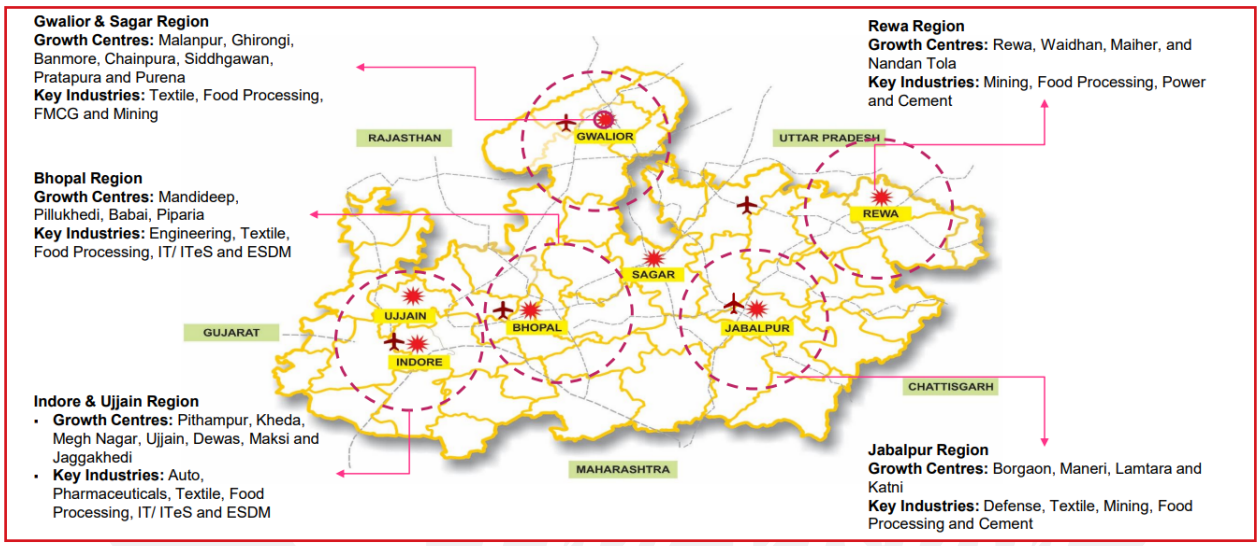

मध्य प्रदेश: DRI ने 112 किलोग्राम मेफेड्रोन ज़ब्त किया

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **राजस्व खुफिया निदेशालय (Directorate of Revenue Intelligence- DRI)** ने मध्य प्रदेश के झाबुआ में एक अवैध मेफेड्रोन फैक्ट्री पर कार्यवाही किया और बड़ी मात्रा में **मादक पदार्थ** ज़ब्त किया।

मुख्य बिंदु

- **झाबुआ में DRI ऑपरेशन:** राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) ने मध्य प्रदेश के झाबुआ में मेफेड्रोन बनाने वाली एक अवैध फैक्ट्री पर कार्यवाही किया।
  - इस अभियान के दौरान **112 किलोग्राम मेफेड्रोन** नामक सिंथेटिक ड्रग ज़ब्त किया गया, जिसका बाज़ार मूल्य काफी अधिक है।
  - ऑपरेशन के दौरान अवैध दवा निर्माण और वितरण नेटवर्क में शामिल विभिन्न व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।
- **मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभाव:** इस छापेमारी को क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के लिये एक महत्त्वपूर्ण झटका माना जा रहा है, क्योंकि मेफेड्रोन बाज़ार में एक लोकप्रिय अवैध दवा है।
- **निरंतर सतर्कता:** अधिकारियों ने सतर्कता बढ़ा दी है तथा क्षेत्र में **अवैध मादक पदार्थ गतिविधियों को रोकने के लिये क्षेत्र की निगरानी** कर रहे हैं।

नोट :

- **मेफेड्रोन और इसके ज़ोखिम:** मेफेड्रोन, जिसे "MD" के नाम से भी जाना जाता है, एक अत्यधिक नशे की लत वाली सिंथेटिक दवा है, जो गंभीर स्वास्थ्य जोखिम से ग्रस्त है, जिसके कारण इसके अवैध उत्पादन से निपटना कानून प्रवर्तन के लिये प्राथमिकता बन गई है।

मेफेड्रोन

- इसे **4-मिथाइलमेथकैथिनोन, 4-MMC और 4-मिथाइलफेड्रोन** के नाम से भी जाना जाता है।
- यह एम्फैटेमिन और कैथिनोन वर्ग की एक सिंथेटिक उत्तेजक दवा है।
- अन्य नाम: ड्रोन, M-CAT, व्हाइट मैजिक, 'म्यो म्यो' और बबल।
- इसकी भूमिका एक **जेनोबायोटिक** और पर्यावरण प्रदूषक के रूप में है।
- इसे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों पर अनेक प्रतिकूल प्रभावों से जोड़ा गया है।
- उपयोगकर्त्ता आमतौर पर सतर्कता, उत्साह और सामाजिकता में वृद्धि की रिपोर्ट करते हैं, लेकिन इन सकारात्मक प्रभावों की कीमत चुकानी पड़ती है।
- स्वास्थ्य पर प्रभाव:
  - चिंता, व्यामोह, मतली और अनिद्रा इस सिंथेटिक उत्तेजक के प्रभाव में व्यक्तियों द्वारा अनुभव किये जाने वाले नकारात्मक दुष्प्रभावों में से हैं।
  - मेफेड्रोन के दीर्घकालिक समय तक उपयोग से अधिक गंभीर परिणाम सामने आए हैं, जिनमें हृदय संबंधी समस्याएँ, मतिभ्रम और यहाँ तक कि आक्रामक व्यवहार के मामले भी शामिल हैं।
  - मानसिक स्वास्थ्य पर इस दवा के प्रभाव से इसकी लत लगने और दीर्घकालिक मनोवैज्ञानिक नुकसान की आशंका के बारे में चिंताएँ उत्पन्न होती हैं।
- भारत में इसे **स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985** के तहत प्रतिबंधित किया गया है।

मध्य प्रदेश: भारत की खनन राजधानी के रूप में उभर रहा है

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश अपनी विशाल खनिज संपदा और बुनियादी ढाँचे का लाभ उठाते हुए **भारतीय खनन क्षेत्र** में अग्रणी के रूप में अपनी स्थिति बना रहा है ।

मुख्य बिंदु

- **खनिज संपदा:**
  - मध्य प्रदेश **हीरा उत्पादक** एकमात्र राज्य है तथा मैंगनीज़, ताँबा, चूना पत्थर और कोयले के उत्पादन में अग्रणी है।
  - **पन्ना हीरा खदान** से प्रतिवर्ष 1 लाख कैरेट हीरा उत्पादन होता है, जबकि बंदर ब्लॉक में 32.2 मिलियन कैरेट हीरा है।
  - खनिज ब्लॉक नीलामी में मध्य प्रदेश देश में अग्रणी रहा, जहाँ **वर्ष 2022-23 में 78 ब्लॉकों की नीलामी की गई और खनिज नीलामी के लिये शीर्ष पुरस्कार प्राप्त किये गए।**
  - राज्य में 5.1 लाख किमी. सड़कें, **7 हवाई अड्डे और 6 अंतर्देशीय डिपो हैं।**
  - जिला खनिज निधि ने **स्थानीय विकास के लिये 7,500 से अधिक परियोजनाएँ पूरी की हैं।**
- **निवेश के अवसर:**
  - खनन प्रौद्योगिकी (AI/ML) और ऊर्जा पर चर्चा के लिये **17-18 अक्तूबर , 2024 को दो** दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा ।
  - मध्य प्रदेश **कोलबेड मीथेन (CBM) और राष्ट्रीय गैस** ग्रिड कनेक्शन पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

नोट :

भारत में हीरा उद्योग

- भारत दुनिया में हीरों की कटाई और पॉलिशिंग का सबसे बड़ा केंद्र है तथा वैश्विक स्तर पर पॉलिश किये गए हीरों के निर्माण में 90% से अधिक का योगदान यहीं पर है।
- भारतीय खनिज वर्ष पुस्तिका 2019 के अनुसार, भारत के हीरा क्षेत्रों को चार क्षेत्रों में बाँटा गया है:
  - मध्य प्रदेश का मध्य भारतीय भूभाग, जिसमें पन्ना बेल्ट शामिल है।
  - आंध्र प्रदेश का दक्षिण भारतीय क्षेत्र, जिसमें अनंतपुर, कडपा, गुंटूर, कृष्णा, महबूबनगर और कुरनूल ज़िले के कुछ हिस्से शामिल हैं।
  - छत्तीसगढ़ के रायपुर ज़िले में बेहरादीन-कोडावली क्षेत्र और बस्तर ज़िले में तोकापाल, दुगापाल आदि क्षेत्र।
  - पूर्वी भारतीय भूभाग, जो अधिकतर ओडिशा का है, **महानदी** और **गोदावरी घाटियों** के बीच स्थित है।
- वर्ष 2022 में, भारत कटे और पॉलिश किये गए हीरों के शीर्ष निर्यातकों में पहले स्थान पर है।

केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश की उत्कृष्टता

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश आवास, कृषि, स्वास्थ्य और बुनियादी ढाँचे जैसे क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन प्रदर्शित करते हुए, **केंद्र सरकार की योजनाओं** को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी राज्य के रूप में उभरा है।

मुख्य बिंदु

- **प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी एवं ग्रामीण):** इसका उद्देश्य शहरी एवं ग्रामीण शाखाओं के माध्यम से सभी के लिये किफायती आवास उपलब्ध कराना है।
  - **शहरी:** 8.2 लाख मकान बनाकर 97.58% लक्ष्य प्राप्त किया गया।
  - **ग्रामीण:** 95.43% कार्य पूर्ण, 36.25 लाख मकान निर्मित।
- **जल जीवन मिशन:** वर्ष 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करना।
  - 72.89 लाख नल कनेक्शन प्रदान करके अपने लक्ष्य का 87.53% प्राप्त किया गया।
- **आयुष्मान भारत योजना:** आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों को 5 लाख रुपए का स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करती है।
  - स्वास्थ्य बीमा कवरेज सुनिश्चित करने के लिये 4.02 करोड़ कार्ड (लक्ष्य का 85.83%) जारी किये गए।
- **प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना:** इसका उद्देश्य संपर्क रहित बस्तियों को ग्रामीण संपर्क प्रदान करना है।
  - 72,965 किमी सड़क बनाकर ग्रामीण सड़क निर्माण लक्ष्य का 99.98% प्राप्त किया गया।
- **पीएम किसान सम्मान निधि:** किसानों को प्रति वर्ष 6,000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
  - 100% उपलब्धि, 83.83 लाख किसान लाभान्वित।
- **प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना:** 18-50 वर्ष की आयु के व्यक्तियों को जीवन बीमा कवरेज प्रदान करती है।
  - 93 लाख लाभार्थियों को योजना का लाभ मिल रहा है (100% लक्ष्य प्राप्त)।
- **पीएम स्वामित्व योजना:** इसका उद्देश्य संपत्ति कार्ड के माध्यम से ग्रामीण भूमि स्वामित्व अधिकार प्रदान करना है।
  - 43,130 गाँवों में 100% ड्रोन सर्वेक्षण के साथ 23.5 लाख स्वामित्व कार्ड जारी किये गए।
- **भारत नेट परियोजना:** ग्रामीण क्षेत्रों में हाई-स्पीड इंटरनेट उपलब्ध कराने के लिये डिजिटल कनेक्टिविटी पहल।
  - 20,422 ग्राम पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाकर 100% उपलब्धि प्राप्त की गई।
- **मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना:** किसानों को उनकी भूमि की मृदा की गुणवत्ता के बारे में जानकारी प्रदान करती है।
  - 7.79 लाख मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किये गये (77.96% उपलब्धि)।
- **किसान क्रेडिट कार्ड योजना:** किसानों के लिये समय पर ऋण की पहुँच सुनिश्चित करती है।
  - 65.83 लाख क्रेडिट कार्ड जारी किये गये (100% उपलब्धि)।

नोट :

- **अटल पेंशन योजना:** असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को पेंशन सुरक्षा प्रदान करने पर केंद्रित है।
  - 100% लाभार्थियों को कवर किया गया, 26.15 लाख व्यक्तियों को पेंशन प्रदान की गई।
- **पीएम स्वनिधि योजना:** इसका उद्देश्य स्ट्रीट वेंडर्स को कार्यशील पूंजी ऋण उपलब्ध कराना है।
  - 157.25% लक्ष्य प्राप्त हुआ, 11.74 लाख लाभार्थियों को लाभ मिला।
- **अमृत सरोवर योजना:** जल संरक्षण के लिये जलाशयों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करती है।
  - 3,900 तालाबों के लक्ष्य से अधिक 5,839 तालाबों का निर्माण किया गया।

मध्य प्रदेश खनन सम्मेलन, 2024

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **मध्य प्रदेश में खनन सम्मेलन, 2024** का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य खनन एवं ऊर्जा क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करना था। इस सम्मेलन में सतत् प्रथाओं और तकनीकी उन्नति पर विचार-विमर्श किया गया।

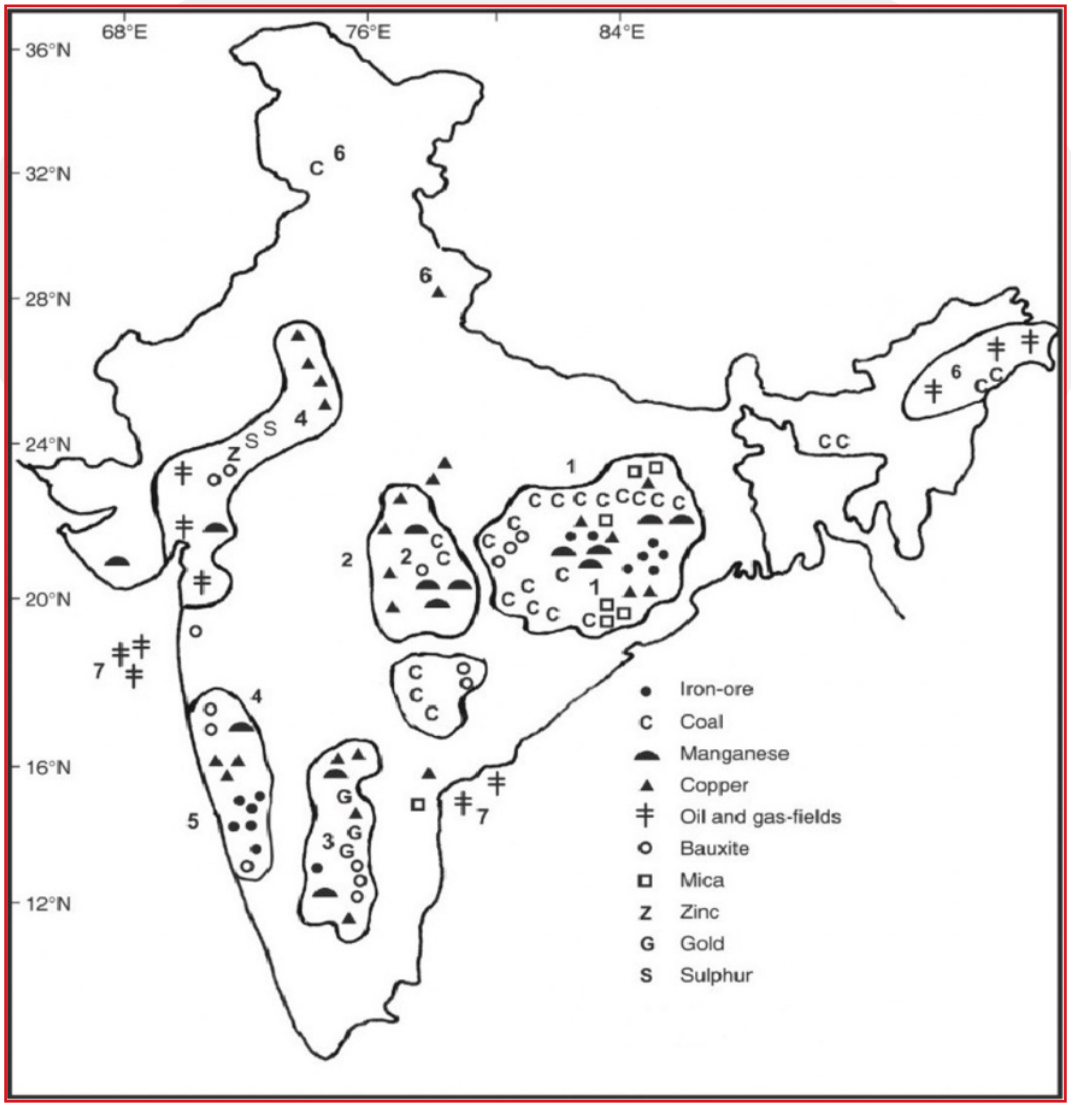

नोट :

मुख्य बिंदु

- **सम्मेलन (कॉन्क्लेव) का उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य मध्य प्रदेश में **खनन, तेल, गैस** और संबंधित उद्योगों में निवेश को बढ़ावा देना है।
  - सतत् खनन प्रणालियों, नियामक ढाँचे और कुशल संसाधन उपयोग के लिये उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर ध्यान केंद्रित करता है।
- **रणनीतिक एवं तकनीकी चर्चाएँ:**
  - विषयों में **कोयला, ऊर्जा, चूना पत्थर, सीमेंट** और खनिज लाभकारीकरण शामिल हैं ।
  - खदान परिचालन के लिये ड्रोन समाधान और खनिज प्रसंस्करण में नवाचार जैसी नई प्रौद्योगिकियों पर प्रकाश डाला गया।
- **मध्य प्रदेश की खनिज संपदा:**
  - यह राज्य कोयला, चूना पत्थर और हीरे जैसे खनिजों से समृद्ध है।
  - मध्य प्रदेश में **भारत के 90% हीरा भंडार** मौजूद हैं, जो इसे हीरा व्यापार का केंद्र बनाता है, जहाँ विकास के लिये पाँच ब्लॉक चिह्नित किये गए हैं।

मध्य प्रदेश को 14,000 करोड़ रुपये का कर हस्तांतरण प्राप्त हुआ

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश को दिवाली से पहले केंद्र सरकार से **कर हस्तांतरण** में **14,000 करोड़ रुपए** प्राप्त हुए, जिससे राज्य की राजकोषीय स्थिति में सुधार हुआ।

प्रमुख बिंदु

- **भारत में कर का वितरण कैसे होता है:**
  - **वित्त आयोग** संघ और राज्यों के बीच **केंद्रीय कर राजस्व** का विभाजन निर्धारित करता है तथा यह सिफारिश करता है कि प्रत्येक राज्य को कितना प्राप्त होना चाहिये।
  - **भारतीय संविधान के अनुच्छेद 270-275** में करों के बँटवारे का विवरण दिया गया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वित्तीय स्थिरता के लिये राज्यों को केंद्रीय करों में हिस्सा मिले।
- **भारत में कर हस्तांतरण की वर्तमान स्थिति:**
  - वित्तीय हस्तांतरण से तात्पर्य वित्तीय संसाधनों और निर्णय लेने की शक्तियों को केंद्र सरकार से राज्यों को हस्तांतरित करने से है।
  - भारतीय संविधान का अनुच्छेद 270 केंद्र सरकार और राज्यों के बीच शुद्ध कर आय के वितरण को रेखांकित करता है।
  - प्रत्येक पाँच वर्ष पर गठित **वित्त आयोग (Finance Commission- FC)** केंद्र सरकार के करों के विभाज्य पूल (उपकर और अधिभार को छोड़कर) से धन के ऊर्ध्वाधर वितरण के लिये सिफारिशें प्रदान करता है।
  - इसके अतिरिक्त, यह अलग-अलग राज्यों के बीच इन निधियों के क्षैतिज आवंटन के लिये एक सूत्र भी प्रस्तुत करता है।
  - करों में हिस्सेदारी के अलावा, राज्यों को वित्त आयोग की सिफारिश के अनुसार **अनुदान** भी प्रदान किया जाता है।
    - **डॉ. अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता** वाले **16 वें वित्त आयोग** को वर्ष 2026-31 की अवधि के लिये सिफारिशें करने का काम सौंपा गया है।
  - **राज्यों के बीच हस्तांतरण के मानदंड:** वर्तमान में, **15वें वित्त आयोग की सिफारिश** के अनुसार विभाज्य पूल (ऊर्ध्वाधर हस्तांतरण) में राज्यों का हिस्सा 41% है।

नोट :

The criteria for horizontal devolution among States over the last five FCs

Criteria	11th FC 2000-05	12th FC 2005-10	13th FC 2010-15	14th FC 2015-20	15th FC 2021-26
Income Distance	62.5	50	47.5	50	45
Population (1971 Census)	10	25	25	17.5	-
Population (2011 Census)	-	-	-	10	15
Area	7.5	10	10	15	15
Forest cover	-	-	-	7.5	-
Forest and ecology	-	-	-	-	10
Infrastructure index	7.5	-	-	-	-
Fiscal discipline	7.5	7.5	17.5	-	-
Demographic performance	-	-	-	-	12.5
Tax effort	5	7.5	-	-	2.5
Total	**100**	**100**	**100**	**100**	**100**

सिंहस्थ 2028

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने वर्ष 2028 में होने वाले **सिंहस्थ कुंभ** से पहले **उज्जैन** के लिये प्रमुख विकास पहलों की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि विकास योजना की पहली प्राथमिकता इस आयोजन में भाग लेने वाले साधुओं और आध्यात्मिक नेताओं की जरूरतों को पूरा करना है।
- उन्होंने **हरिद्वार** को एक **आदर्श तीर्थ नगरी बताया** तथा इसकी सफलता को उज्जैन में भी दोहराने की इच्छा व्यक्त की।
- इस योजना में बुनियादी ढाँचे में सुधार, तीर्थयात्रियों के लिये सुविधाएँ बढ़ाना और उज्जैन की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से समझौता किये बिना आधुनिक सुविधाएँ सुनिश्चित करना शामिल है।

सिंहस्थ कुंभ

- सिंहस्थ **कुंभ मेला** एक हिंदू धार्मिक त्योहार है जो प्रत्येक 12 वर्ष में भारत के मध्य प्रदेश के उज्जैन में आयोजित किया जाता है।
  - इस त्योहार का नाम सिंह राशि के नक्षत्र के नाम पर रखा गया है, क्योंकि यह तब मनाया जाता है जब बृहस्पति सिंह राशि में प्रवेश करता है।

रीवा उद्योग सम्मेलन में निवेश प्रस्ताव

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने **रीवा में क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन** के दौरान महत्त्वपूर्ण निवेश प्रतिबद्धताओं की घोषणा की।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- **निवेश घोषणा:** सम्मेलन के दौरान 31,000 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों की घोषणा की गई, जो क्षेत्र के औद्योगिक विकास पर केंद्रित थे।
  - इस निवेश से लगभग 60,000 नौकरियाँ सृजित होने का वादा किया गया है।
  - प्रमुख क्षेत्रों में **नवीकरणीय ऊर्जा**, विनिर्माण और **कृषि** -संबंधी उद्योग शामिल हैं।
  - मुख्यमंत्री ने मध्य प्रदेश को एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र बनाने के प्रयासों पर ज़ोर दिया और **राज्य की निवेशक-अनुकूल नीतियों** पर प्रकाश डाला।
- सरकार और अधिक निवेश आकर्षित करने के लिये बुनियादी ढाँचे तथा औद्योगिक पार्कों पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

मध्य प्रदेश में प्रमुख परियोजनाएँ

- **सिंचाई परियोजनाएँ:** ऊपरी **नर्मदा** परियोजना, राघवपुर बहुउद्देशीय परियोजना, बसनिया बहुउद्देशीय परियोजना (5500 करोड़ रुपए)।
- **सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाएँ:** पारसदोह सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, औलिया सूक्ष्म सिंचाई परियोजना (800 करोड़ रुपए)।
- **रेलवे परियोजनाएँ:** वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-जाखलौन मार्ग पर तीसरी लाइन परियोजनाएँ, गेज़ परिवर्तन परियोजना, पवारखेड़ा-जुझारपुर रेल लाइन फ्लाईओवर (2200 करोड़ रुपए)।
- **औद्योगिक परियोजनाएँ:** सीतापुर में मेगा लेदर और फुटवियर क्लस्टर, इंदौर में गारमेंट इंडस्ट्री प्लग एंड प्ले पार्क, औद्योगिक पार्क मंदसौर, पीथमपुर औद्योगिक पार्क का उन्नयन (1000 करोड़ रुपए)।
- **कोयला क्षेत्र की परियोजनाएँ:** जयंत OCP CHP साइलो, NCL सिंगरौली; दुधिचुआ OCP CHP-साइलो (1000 करोड़ रुपए)।
- **विद्युत क्षेत्र:** पन्ना, रायसेन, छिंदवाड़ा और नर्मदापुरम ज़िलों में छह सबस्टेशन।
- **जल आपूर्ति परियोजनाएँ:** विभिन्न **अमृत 2.0** परियोजनाएँ, खरगोन में जलापूर्ति वृद्धि (880 करोड़ रुपये)।
- **साइबर तहसील परियोजना:** राजस्व अभिलेखों और बिक्री-खरीद अभिलेखों के म्यूटेशन में डिजिटल समाधान के लिये 55 ज़िलों में शुरू की गई।

मध्य प्रदेश में पराली दहन की बढ़ती घटनाएँ

चर्चा में क्यों ?

हालिया आँकड़ों से पता चलता है कि मध्य प्रदेश में **पराली दहन** की घटनाओं में वृद्धि हुई है, जो पारंपरिक हॉटस्पॉट पंजाब और हरियाणा से आगे निकल गई है, जिससे दिल्ली में **प्रदूषण** बढ़ गया है।

मुख्य बिंदु

- **डेटा अवलोकन :**
  - मध्य प्रदेश में हाल ही में **पराली दहन के 536** मामले दर्ज किये गए, जो पंजाब (410 मामले) और हरियाणा (192 मामले) से अधिक हैं।
  - **उत्तर प्रदेश और राजस्थान** में पराली दहन की बढ़ती घटनाएँ भी **वायु गुणवत्ता** संबंधी समस्याओं में योगदान देती हैं, जिससे प्रदूषण स्रोतों के बारे में पूर्व की धारणाओं को चुनौती मिलती है।
- **दिल्ली पर प्रभाव :**
  - पराली दहन से दिल्ली की खराब वायु गुणवत्ता में महत्त्वपूर्ण योगदान हुआ है, अनुमान है कि 31 अक्तूबर, 2024 तक **वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI)** 400 तक बढ़ जाएगा।

नोट :

- किसानों को प्रोत्साहन या वैकल्पिक उपयोग के माध्यम से, फसल अवशेष जलाने के प्रबंधन के लिये राज्यों में तत्काल कार्यवाही की आवश्यकता है।

पराली दहन

- **परिचय:**
- पराली दहन धान की फसल के अवशेषों को खेत से हटाने की एक विधि है, जिसका उपयोग सितंबर के अंतिम सप्ताह से नवंबर तक गेहूँ की बुवाई के लिये किया जाता है, जो **दक्षिण-पश्चिम मानसून** की वापसी के साथ ही होता है।
- पराली दहन धान, गेहूँ आदि जैसे अनाज की कटाई के बाद बचे पुआल के ठूँठ को आग लगाने की प्रक्रिया है। प्राय: इसकी आवश्यकता उन क्षेत्रों में होती है जहाँ संयुक्त कटाई पद्धति का उपयोग किया जाता है, जिससे फसल अवशेष बच जाते हैं।
- यह अक्तूबर और नवंबर में पूरे उत्तर पश्चिम भारत में, लेकिन मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में एक सामान्य प्रथा है।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि The Vision

नोट :